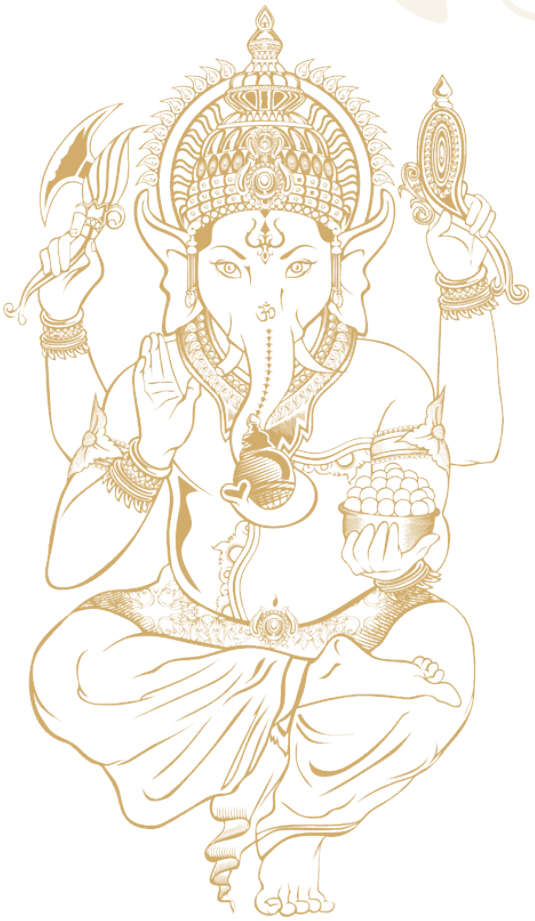

J

02 Dec 1966

12:02 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121529806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/12/1966**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:02:00 घंटे**
इष्ट	43:13:57 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:46:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:07 घंटे
साम्पातिक काल	04:26:56 घंटे
सूर्योदय	06:44:25 घंटे
सूर्यास्त	17:24:46 घंटे
दिनमान	10:40:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:43:41 वृश्चिक
लग्न के अंश	15:39:49 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	15:39:49	322:36:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	15:43:41	01:00:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	00:36:55	13:40:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	स्वराशि
मंगल			कन्या	05:23:19	00:32:26	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध			तुला	25:43:46	00:44:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	10:54:54	00:02:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	21:20:24	01:15:23	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	29:32:44	00:00:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		मेष	22:37:36	00:03:29	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:37:36	00:03:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			कन्या	00:39:11	00:01:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
नेप			तुला	29:08:54	00:02:11	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	27:07:25	00:00:43	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	15:04:37	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:29

लग्न-चलित

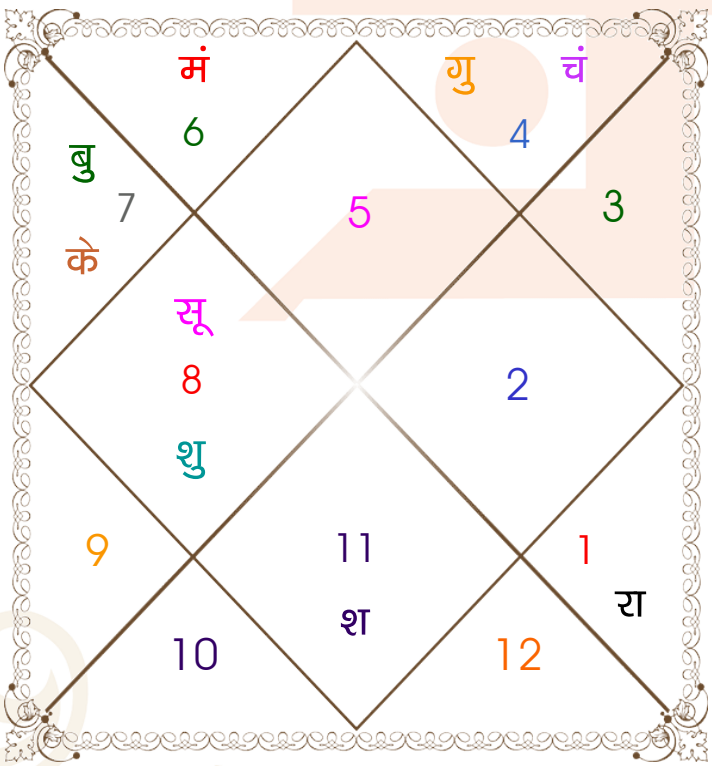

चन्द्र कुंडली

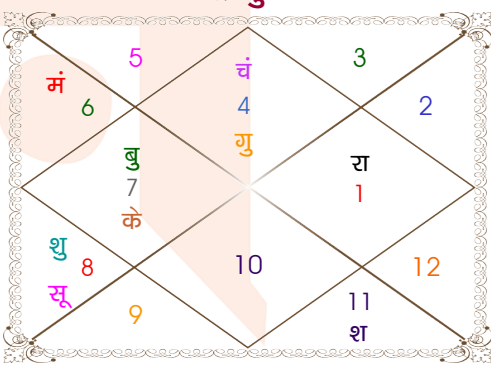

नवमांश कुंडली

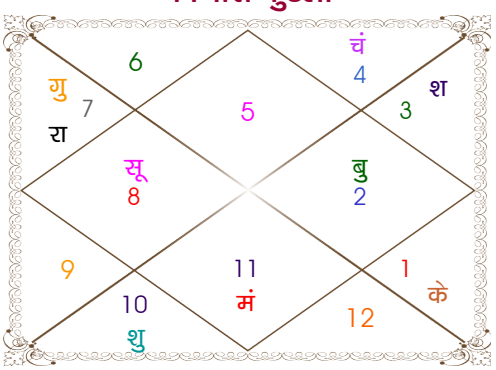

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 3 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/12/1966		07/03/1970		07/03/1989		07/03/2006		07/03/2013	
07/03/1970		07/03/1989		07/03/2006		07/03/2013		07/03/2033	
	00/00/0000	शनि	10/03/1973	बुध	03/08/1991	केतु	03/08/2006	शुक्र	06/07/2016
	00/00/0000	बुध	18/11/1975	केतु	30/07/1992	शुक्र	03/10/2007	सूर्य	06/07/2017
	00/00/0000	केतु	27/12/1976	शुक्र	31/05/1995	सूर्य	08/02/2008	चंद्र	07/03/2019
	00/00/0000	शुक्र	26/02/1980	सूर्य	06/04/1996	चंद्र	08/09/2008	मंगल	06/05/2020
	00/00/0000	सूर्य	07/02/1981	चंद्र	05/09/1997	मंगल	04/02/2009	राहु	07/05/2023
	00/00/0000	चंद्र	08/09/1982	मंगल	02/09/1998	राहु	23/02/2010	गुरु	05/01/2026
	02/12/1966	मंगल	18/10/1983	राहु	22/03/2001	गुरु	30/01/2011	शनि	07/03/2029
मंगल	12/10/1967	राहु	24/08/1986	गुरु	28/06/2003	शनि	09/03/2012	बुध	05/01/2032
राहु	07/03/1970	गुरु	07/03/1989	शनि	07/03/2006	बुध	07/03/2013	केतु	07/03/2033

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/03/2033		07/03/2039		07/03/2049		06/03/2056		07/03/2074	
07/03/2039		07/03/2049		06/03/2056		07/03/2074		00/00/0000	
सूर्य	24/06/2033	चंद्र	05/01/2040	मंगल	03/08/2049	राहु	17/11/2058	गुरु	24/04/2076
चंद्र	24/12/2033	मंगल	05/08/2040	राहु	21/08/2050	गुरु	12/04/2061	शनि	05/11/2078
मंगल	01/05/2034	राहु	04/02/2042	गुरु	28/07/2051	शनि	17/02/2064	बुध	10/02/2081
राहु	25/03/2035	गुरु	06/06/2043	शनि	05/09/2052	बुध	05/09/2066	केतु	17/01/2082
गुरु	12/01/2036	शनि	05/01/2045	बुध	02/09/2053	केतु	24/09/2067	शुक्र	17/09/2084
शनि	23/12/2036	बुध	06/06/2046	केतु	29/01/2054	शुक्र	24/09/2070	सूर्य	06/07/2085
बुध	30/10/2037	केतु	05/01/2047	शुक्र	31/03/2055	सूर्य	18/08/2071	चंद्र	05/11/2086
केतु	07/03/2038	शुक्र	05/09/2048	सूर्य	06/08/2055	चंद्र	16/02/2073	मंगल	02/12/2086
शुक्र	07/03/2039	सूर्य	07/03/2049	चंद्र	06/03/2056	मंगल	07/03/2074		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।